

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—वण्य—1 PART I—Section—1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 28] मई दिल्ली, बृहस्पतिबार, जनवरी 25, 1979/माघ 5, 1900 No. 28] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 25, 1979/MAGHA 5, 1900

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सर्वे ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विश्व संत्रालय

(आणिक कार्य विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1979

संख्या एक 12 (7)-पी० जी०/78. — भारत के 27 दिसम्बर, 1978 के श्रसाधारण राजपञ्ज के भाग I, खण्ड 1 में प्रकाणित भारत सरकार, जिल्ल मंभ्रालय, श्रार्थिक कार्य जिभाग की श्रीधसूचना संख्या एक० 12(7)-पी० डी०/78 में धारा (ii) की इस प्रकार पढ़ा जाए:---

(ii) (क) लोक ऋण प्रधिनियम 1941 (1944का 18) की धारा 2 में यथा-परिभाषित तथा केन्द्रीय संस्कार द्वारा सर्जित और जारी की गई सरकारी प्रतिभृतियो

20 प्रतिशत से कम नहीं

(ख) कोई अन्य परकाम्य प्रतिभूतियां जिनका कम से कम मूलधन और जिन पर थ्याज केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा, पूर्णतः और बिना किसी शर्त के प्रत्याभूत है।

भंगल वास पाल, उप सचिवं (अजट)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

ERRATA

New Delhi, the 25th January, 1979

- No. F. 12(7)-PD/78.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs No. F. 12(7)-PD/78 published in the Gazette of India Extraordinary Part I, Section I dated 27th December, 1978, Clause (ii) should be read as:
- (ii) (a) Government securities as defined in section 2 of the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944) created and issued by any State Government;
 - (b) Any other negotiable securities the principal whereof and interest whereon is fully and unconditionally guaranteed by the Central Government or any State Government.

Not less than twenty per cent.

M. D. PAL, Dy. Secy. (Budget